जागरण : सीहोर : शाजापुर : देवास

www.dainikjagranmpcg.com ✹ आष्टा ✹ भैरूंदा ✹ बुधनी ✹ बैरछा ✹ शुजालपुर ✹ सोनकच्छ ✹ कालापीपल ✹ हाटपीपल्या ✹ खातेगांव

सीहोर, 27 अगस्त 2026

न्यूज कॉर्नर

8 तक प्रवेश शुल्क जमा करने का अवसर

सीहोर। शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (हृष्टङ्कश्च) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की पूर्व में जारी समय-सारणी में तिथि वृद्धि की गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संशोधित समय-सारणी जारी करते हुए विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। संशोधित समय-सारणी के अनुसार एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण में पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया 20 से 30 अगस्त तक जारी रहेगी। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 20 से 31 अगस्त तक किया जाएगा। दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 1 सितंबर को मेरिट सूची का प्रकाशन किया जाएगा साथ ही 2 सितंबर 2026 को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। सीट आवंटित होने वाले विद्यार्थियों को 2 से 7 सितंबर तक आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी एवं माइग्रेशन प्रमाण-पत्र के साथ उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए लिंक इनिशिएट करना होगा।

जन्माष्टमी पर प्रदेशभर में होंगे भव्य आयोजन

सीहोर। राज्य शासन ने आगामी रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के प्रदेशभर में पर्वों को सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक परंपराओं और जनभागीदारी के साथ भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरु किन जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को राज्य शासन के निर्देशानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशानुसार रक्षाबंधन 28 अगस्त को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार करते हुए 'एक राखी-एक संकल्प' सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्कूलों में बच्चों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने के लिए कहानी, पेंटिंग एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी होंगी। बलराम जयंती 2 सितंबर को बलराम कृषि महोत्सव की गतिविधियों को विस्तारित स्वरूप देते हुए कृषि आधारित पारंपरिक कलाओं, आधुनिक कृषि उपकरण, बीज एवं प्राकृतिक खेती पर केंद्रित प्रदर्शनियां और सह-संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट

सीहोर। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी।परिवहन आयुक्त द्वारा सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें।केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनिक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं।

दिन और रात के तापमान में बढ़ोत्तरी के बाद बारिश ने किया हलाकान, लबालब हो रहे जल स्त्रोत

दो दिन झमाझम बारिश के आसार, 100 से 150 एमएम हो सकती है बारिश

जागरण, सीहोर। मानसून के पुनः सक्रिय होने के बाद जिला मुख्यालय सहित जिले भर में बारिश का दौर पुनः शुरु हो जाने से जहां अगस्त माह में जिले की औसत बारिश की संभावना बनने लगी है। मौसम विभाग की माने तो जिले में मूसलाधार बारिश का अनुमान मिल रहा है। झमाझम बारिश होती है तो खाली पड़े जल स्त्रोत लबालब हो सकते हैं। वहीं निचले ईलाकों में लोगो केा जल भराव की स्थितियों से भी निलपटने को मजबूर होना पड़ेगा। जिला प्रशासन नदी तटों के आसपास स्थित गांवों के रहने वालों को सावधानी बरतने और मछवारों को नदी तटों से दूर रहे की चेतावनी भी दी है।

दिन और रात के तापमान में मामूली अंतर

मानसून के पुनः सक्रिय होने से बीते दो दिनों से कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का सिलसिला शुरु होने के बाद भी दिन और रात के तापमान में मामूली अंतर नजर आ रहा है। कुल मिलाकर अधिकतम तापमान के साथ ही न्यूनतम तापमान में भी वद्धि दर्ज हो रही है। आरएके कॉलेज स्थित कृषि मौसम विशेषज्ञ डॉ एसएस तोमर ने बताया कि बुधवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस तो 25.5 डिग्री दर्ज किया गया।

फसलों के लिए फायदेमंद

डाक्टर तोमर ने बताया कि जिले में जिस तरह से बारिश हो रही है उससे फसलों को काफी फायदा हुआ है। लेकिन आगामी दो दिन तक भारी बारिश का अनुमान मिल रहा है इस दौरान सौ से डेढ़ सौ एमएम तक बारिश का अनुमान है। ऐसे में किसानों को अपनी फसलों को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतनी होगी। किसानों को अपने खेतों से पानी निकासी की और ध्यान देना होगा। ढलान वाले खेतों में तो ज्यादा परेशानी नहीं होगी लेकिन निचले खतों में जल भराव की समस्या न हो इसके लिए अतिरिक्ति प्रयास करते हुए पानी निकासी के उचित इंतजाम कर लेना उनकी फसलों के लिए बेहतर होगा। खतों में जल भराव होने से फसलें गलने का खतरा बना रहेगा।

जल स्त्रोतों की सुधरने लगी सेहत

बीते वर्ष जल ग्रहण क्षेत्रों में हुई कमजोर बारिश के कारण जिले के जल संग्रहण न हो पाने की वजह से गर्मी के दिनों में लोगों को जल संकट से जूझना पड़ाा वहीं भू जल स्तर गिर जाने से भी लोगों को पानी के लिए भटकने के लिए मजबूर होना पड़ा लेकिन इस बार टुकड़ों में सक्रिय हुए मानसून के दौरान हो रही अच्छी बारिश विशेषकर जल ग्रहण क्षेत्रों में जिस तरह से बारिश का दौर शुरु हुआ है उससे जल स्त्रोतों की सेहत भी सुधरने के आसार बन रहे हैं। जिला मुख्यालय की पेयजल जरूरतों को पूरा करने वाले भगवानपुर, जमोनिया तालाबों में पर्याप्त पानी की आवक हो रही है। जमोनिया तालाब तो लबालब होने की स्थिति में पहुंच रहा है तो वहीं भगवानपुरा बेहतर स्थिति में आता जा रहा है।

जन्माष्टमी पर सिद्धपुर बनेगा मिनी वृंदावन, 6 सितंबर को मटकी फोड़

सिद्धपुर में जन्माष्टमी पर गूंजेंगे जयकारे

जागरण, सीहोर। जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और माखन-मटकी की परंपरा को जीवंत करने के लिए सिद्धपुर में इस बार भव्य आयोजन की तैयारी है। 6 सितंबर की शाम 5 बजे बस स्टैंड परिसर में प्रादेशिक सनातनी मटकी फोड़ महोत्सव आयोजित किया जाएगा। प्रदेशभर से पहुंचने वाली मटकी फोड़ टोलियां अपने साहस, संतुलन और टीमवर्क का प्रदर्शन करेंगी। महोत्सव में ऊंचाई पर बांधी गई मटकी को फोड़ने के लिए प्रतिभागी मानव पिरामिड बनाएंगे। जैसे-जैसे टोली के सदस्य एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे, वैसे-वैसे दर्शकों का रोमांच भी बढ़ता जाएगा। मटकी फूटने के साथ पूरा परिसर 'जय श्रीकृष्ण' और 'कान्हा की जय' के जयकारों से गूंज उठेगा।

संस्कृति से जोड़ने की पहल

आयोजकों के अनुसार यह आयोजन सिर्फ प्रतियोगिता और मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके पीछे नई पीढ़ी को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भारतीय परंपराओं और सनातन संस्कृति से जोड़ने का उद्देश्य है। युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने और उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की यह पहल जन्माष्टमी के उत्सव को और खास बनाएगी। जन्माष्टमी की शाम सिद्धपुर में भक्ति और रोमांच का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजन स्थल पर कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत, जयकारे और सांस्कृतिक वातावरण लोगों को ब्रज की गलियों की याद दिलाएगा। आयोजकों का प्रयास है कि महोत्सव में आने वाले हर व्यक्ति को ऐसा अनुभव मिले, जिसमें उत्सव के साथ श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की भावनात्मक झलक भी दिखाई दे।

टोलियां दिखाएंगी टीमवर्क

प्रादेशिक स्तर के इस आयोजन में मध्यप्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से मटकी फोड़ टोलियों के पहुंचने की तैयारी है। मानव पिरामिड बनाकर मटकी तक पहुंचना आसान नहीं होगा। इसके लिए टीम के प्रत्येक सदस्य के बीच तालमेल, अनुशासन और विश्वास जरूरी होगा। यही कारण है कि प्रतियोगिता में युवाओं की ताकत के साथ उनकी एकजुटता भी देखने को मिलेगी। आयोजन को व्यापक स्वरूप देने के लिए समिति की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में भी संपर्क किया जा रहा है। युवाओं और संभावित मटकी फोड़ टीमों से संपर्क कर उन्हें सिद्धपुर पहुंचने का निमंत्रण दिया जा रहा है। आयोजकों की कोशिश है कि अधिक से अधिक गांवों और शहरों की टीमें इस सांस्कृतिक महोत्सव का हिस्सा बनें। महोत्सव की तैयारियां बजरंग दल के प्रांत टोली सदस्य विवेक राठौर और नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर के नेतृत्व में आयोजन समिति द्वारा की जा रही हैं। आयोजन को लेकर बैठकों और संपर्क अभियान का दौर जारी है। टीमों के पंजीयन, स्वागत और कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं।

व्यवस्था पर भी रहेगा जोर

प्रदेशभर से युवाओं और दर्शकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। बाहर से आने वाली टीमों के स्वागत, पार्किंग, दर्शकों के बैठने और भीड़ प्रबंधन जैसे विषयों पर ध्यान दिया जा रहा है। आयोजकों का प्रयास है कि भक्ति और उत्साह से भरा यह आयोजन व्यवस्थित एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो। विवेक राठौर ने कहा कि सनातनी मटकी फोड़ महोत्सव को केवल प्रतियोगिता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति में अपार ऊर्जा है और उसे सकारात्मक दिशा देकर समाज व संस्कृति से जोड़ना समय की जरूरत है। 5 सितंबर की शाम सिद्धपुर में एक तरफ जन्माष्टमी की भक्ति होगी तो दूसरी तरफ मटकी फोड़ प्रतियोगिता का रोमांच। मानव पिरामिड बनाते युवाओं का उत्साह और मटकी टूटने के बाद गूंजते कृष्ण जयकारे माहौल को यादगार बनाएंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि यह महोत्सव भक्ति, परंपरा और युवा शक्ति के संगम के रूप में सिद्धपुर की जन्माष्टमी को नई पहचान देगा।

सोयाबीन फसल के रोग नियंत्रण के लिए अनुशंसित फफूंदनाशक का उपयोग करें

जागरण, सीहोर। सोयाबीन की फसल इस समय फलन एवं पौड निर्माण की स्थिति में हैं। इस समय सोयाबीन की फसल पर पैड ब्लाईट कॉलर रॉट, चारकोल रॉट आदि रोगों से बचाव के लिए उपयुक्त फफूंद नाशक का छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार सोयाबीन में चारकोल रॉट-संक्रमित पौधों की पत्तियां छोटी व पीली होकर भूरे रंग में परिवर्तित होकर 167/1 पायरोक्लोस्टोवीन 333 द्द/द्य स्ट्ट 300 ग्राम प्रति हेक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। वातावरण में फैलकर सड़न व विल्ट के रूप में नवजात पौधों एवं तनों पर लाल भूरे रंग के सरसों के बीज जैसे गोल-गोल स्क्लेरेशिया बनते हैं, जिससे पौधे मुरझाकर गिर जाते हैं। इसके नियंत्रण के लिए फफूंद नाशक दवा पायराक्लोस्ट्रोबिन 163 /1 इपॉक्सीकोनाजोल 50/1 स्श्व मात्रा 750 मिली या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत मैन्कोजेब 63 प्रतिशत मात्रा 1.25 किग्रा प्रति हैक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

सोयाबीन में पॉड ब्लाईट- यह रोग फफूंद, बीज एवं भूमि जनित लगातार वर्षा एवं अत्यधिक नमी के कारण होता है। इस रोग के नियंत्रण के लिए टेब्यूकोनाजोल 25.9 ई.सी. मात्रा 625 मिली या टेब्यूकोनाजोल 10 ब्र + सल्फर 65 प्रतिशत मात्रा 1.25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

सोयाबीन में राइजोक्टोनिया एरियल ब्लाईट- यह रोग गर्म व आई वातावरण में भूमि एवं बीज जनित फफूंद द्वारा फैलता है, इसके प्रकोप में पत्तियों की निचली सतह पर छोटे या बड़े भूरे रंग के लाल अण्डाकार धब्बे बनते हैं। इसके नियंत्रण के लिए फफूंदनाशक दवा टेब् टेब्यूकोनाजोल 10 प्रतिशत . सल्फर 65 प्रतिशत मात्रा 1.25 किग्रा या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20 प्रतिशत डब्ल्यू.जी. मात्रा 500 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत सीहोर जिले से वैष्णो वाराणसी-गया तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह यात्रा 29 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। योजना के तहत विगत 13 जून से 18 जून 2026 तक वरिष्ठ नागरिकों को वैष्णोदेवी की तीर्थ यात्रा कराई जा चुकी है। इस बार योजना के तहत वाराणसी-गया की तीर्थ यात्रा कराई जा रही है। यात्रा के लिए पात्र वरिष्ठ नागरिकों जिनकी आयु 60 वर्ष या उनसे अधिक है उसे आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिलाओं के लिए 2 वर्ष की छूट है तथा वरिष्ठ नागरिक आयकरदाता नहीं होने चाहिए। इच्छुक आवेदक 18 सितंबर 2026 तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन विभागीय वेबसाइट पर किया जा सकता है। इसके साथ ही आवेदन संबंधित नगर पालिका, नगर परिषद अथवा जनपद पंचायत कार्यालय में जमा करना होगा। यात्रा के लिए निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर यात्रियों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही 65 वर्ष से अधिक आयु के एकल यात्रियों को एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी।

एमपी टास्क एवं एनआईसी 2.0 पोर्टल खोला

सीहोर। शासन के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन और आवास सहायता के लिए 15 अगस्त से 30 अगस्त तक खोला गया है। नर्सिंग पाठ्यक्रम सहित अन्य सभी पाठ्यक्रमों के फिट पायी गयी संस्थाओं के ऐसे पात्र विद्यार्थी जो इन सत्रों की छात्रवृत्ति हेतु अभी तक आवेदन नहीं कर पाये हैं वे आवेदन कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन कार्यशाला आयोजित

सीहोर। एक्सीलेंस कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों की रोकथाम करना तथा शिक्षण संस्थाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्थापित करना था। प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य वातावरण निर्माण के बारे में जानकारी दी।

भाजपा कार्यालय में हुआ 25 मंडलों के लिए कलश वितरण कार्यक्रम

जागरण, सीहोर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के पावन उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कलश वितरण कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी महाराज के चित्र एवं पवित्र कलशों का विधिवत पूजन-अर्चन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा एवं जिला प्रभारी विकास विरानी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य संत उद्धव दास जी महाराज एवं संत किशोर दास जी महाराज का पुष्पाहार पहनाकर तथा शॉल-श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए संत किशोर दास जी महाराज ने संत रविदास जी के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी का संपूर्ण जीवन मानव कल्याण, सेवा और समरसता के लिए समर्पित रहा। उनके विचार और वाणी इतनी पावन व प्रासंगिक हैं कि सिखों के पवित्र ग्रंथ 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब' में भी उनके 40 पद आदरपूर्वक संकलित किए गए हैं। संत उद्धव दास जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि संत रविदास जी स्वामी रामानंद जी के प्रमुख शिष्य थे और वैष्णव परंपरा के महान संत थे। उन्होंने जाति-पांत पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। हम सभी को उनके दिखाए मार्ग और पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान पूज्य संतों द्वारा मंडल की टीम को विधिवत कलश सौंपकर वितरण का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात वरिष्ठ नेताओं द्वारा जिले के शेष सभी मंडलों को कलश वितरित किए गए। संत रविदास जी की कलश यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता की भावना को सुदृढ़ करना है, ताकि सब मिलकर एक सशक्त, गौरवशाली और वैभवशाली राष्ट्र का निर्माण कर सकें। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त से शुरू हुई यह यात्रा जन-जन तक संत रविदास जी के विचारों और संदेशों को पहुँचाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस यात्रा में आमजन की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कलश समारोह में मुख्य रूप से संत उद्धव दास महाराज, संत किशोर दास महाराज, जिला महामंत्री तारा कटारिया, महामंत्री पंकज गुप्ता, महामंत्री जितेंद्र गौड़, वरिष्ठ नेता सन्नी महाजन मंचासीन रहे। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं मंडल टोली के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा के बाद भी कुबेरेश्वरधाम में आस्था का सैलाब, सेवा के लिए सभी का जताया आभार

28 को कांवड़ मेले का विराम, रक्षाबंधन पर बाबा का मंगल तिलक

जागरण, सीहोर। ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा संपन्न होने के बाद भी जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। बुधवार को भी शहर के सीवन नदी तट से कांवड़ लेकर हजारों श्रद्धालु कुबेरेश्वरधाम पहुंचे और भगवान कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। धाम पर अभी भी देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं की मौजूदगी से भक्ति और सेवा का वातावरण बना हुआ है। विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में करीब एक माह से चल रहे कांवड़ मेले का 28 अगस्त को रक्षा बंधन एवं पूर्णिमा के पावन अवसर पर विराम किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में सुबह 11 बजे सादगीपूर्ण ढंग से बाबा का मंगल तिलक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके बाद कांवड़ मेले के क्रम का औपचारिक समापन होगा।

कांवड़ यात्रा के बाद भी धाम पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए विठलेश सेवा समिति द्वारा भोजन-प्रसादी की व्यवस्था निरंतर जारी है। बुधवार को श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी, नुक्ती, नमकीन सहित अन्य प्रसादी का भोग लगाया गया। समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित सेवादारों ने श्रद्धालुओं को भोजन-प्रसादी वितरित की।

वापसी में भी समिति बनी सहारा

ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अभी धाम पर रुके हुए हैं। कुछ श्रद्धालुओं की वापसी की ट्रेन आदि की टिकट कन्फर्म नहीं हो पाई है, जबकि कुछ की वापसी अगले दिनों में निर्धारित है। बुधवार को ऐसे भी श्रद्धालु सामने आए, जिनके पर्स और बैग गुम होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे श्रद्धालुओं की सहायता के लिए विठलेश सेवा समिति आगे आई और जरूरतमंदों को सहयोग देकर उनकी घर वापसी की व्यवस्था कराई। समिति के इस सेवा कार्य की श्रद्धालुओं ने सराहना की। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की निरंतर सेवा भाव से मदद समिति के द्वारा की जाती है।

सेवा के लिए सभी का जताया आभार

कांवड़ यात्रा के दौरान मीडिया बंधुओं, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, क्षेत्रवासियों और सेवादारों द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए पंडित प्रदीप मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने 25 अगस्त को सीवान नदी घाट से कुबेरेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रा के सुरक्षित एवं सफल संचालन पर कावड़ यात्रा में तैनात सभी अधिकारी-कर्मचारियों और पुलिस बल को बधाई दी। उन्होंने यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं में जुटे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। पुलिस बल द्वारा सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था की व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संभाला गया। विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।

सेवादल संस्थापक डॉ. हार्डिकर की 51वीं पुण्यतिथि पर नमन

जागरण, सीहोर। कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक द्वारा डॉ. नारायण शुब्बाराव हार्डिकर की 51 वी पूण्यतिथि पर अजा बाहूल्य क्षेत्र वार्ड क्रं. 11 के डॉ.अम्बेडकर पार्क में पुष्पांजली एवं उनकी याद में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया। सर्वप्रथम अतिथिगणों द्वारा डॉ.नारायण शुब्बाराव हार्डिकर के चित्र पर केण्डल अगरवत्ती जलाकर पुश्पमालाऐं अर्पित की गई। तत्पश्चात उनकी याद में वृक्षा रोपण का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एन.एस.हार्डिकर अमर रहे अमर रहे के नारे भी लगाये गये। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती द्वारा डॉ.हार्डिकर का देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में खास योगदान बताया तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजाराम बड़े भाई ने कहा कि वह कई बार भारत को आजाद कराने के लिये जैल में भी गये। इस अवसर प्रमुख रूप से नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष घनयाम यादव, एनएसयूआई अध्यक्ष हरिओम सिसोदिया, जयंत शाह, निशांत वर्मा, अनीस कुरैशी, जितेन्द्र सिंह, भगवत सिंह सिलावट आदि उपस्थित रहे।

न्यूज कार्नर

सड़क हादसा, एक की मौत, दो घायल

जागरण बुधनी। बुधनी क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मिडघाट स्थित सतकुंडा झरने के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी तेज थी कि मृतक का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान बैतूल जिले की बताई जा रही हैतथा हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

लक्षार्थ 2026 के विजेताओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

जागरण नर्मदापुरम। अतुल्यम वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित छात्र संसद 'लक्षार्थ 2026' के उत्कृष्ट प्रतिभागियों के लिए विशेष शैक्षणिक दिल्ली भ्रमण आयोजित किया गया। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के सौजन्य से आयोजित इस भ्रमण में मेधावी छात्र-छात्राओं ने संसद भवन सहित देश की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं लोकतांत्रिक धरोहरों का अवलोकन किया। 'लक्षार्थ 2026' के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं सांसद माया नारोलिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को संसद भवन का प्रत्यक्ष भ्रमण कराने की घोषणा की थी। इसी संकल्प को पूरा करते हुए विद्यार्थियों के प्रतिनिधिमंडल को नई दिल्ली आमंत्रित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नवनिर्मित संसद भवन परिसर का अवलोकन किया तथा भारतीय संविधान, विधायी प्रक्रिया और संसदीय कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही दल ने राष्ट्रपति भवन सहित विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण किया और देश की समृद्ध स्थापत्य विरासत से परिचित हुए। विद्यार्थियों ने कहा कि संसद और राष्ट्रपति भवन का प्रत्यक्ष अवलोकन उनके लिए बेहद प्रेरणादायी रहा। इस अनुभव से उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने इस शैक्षणिक यात्रा के लिए सांसद माया नारोलिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 12 को

जागरण नर्मदापुरम। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को किया जाएगा। यह लोक अदालत तहसील स्तर से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक सम्पूर्ण भारत में आयोजित होगी। इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के राजीनामा योग्य प्रकरण आपसी समझौते और सुलह के आधार पर निपटाए जाएंगे। इसमें राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, विद्युत चोरी, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा , वैवाहिक, सिविल, भू-अर्जन आदि के मामले रखे जाएंगे।

पर्व से पहले बाजारों में अपेक्षित भीड़ नहीं, दुकानदारों को अंतिम दिन खरीदारी बढ़ने की उम्मीद

ऑनलाइन शॉपिंग और बारिश की मार से सूना पड़ा राखी रक्षाबंधन बाजार

जागरण, बुधनी। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन अब एक दिन दूर है, लेकिन बुधनी के बाजारों में इस बार त्योहार जैसी अपेक्षित रौनक नजर नहीं आ रही है। राखियों से सजी दुकानें ग्राहकों का इंतजार करती दिखाई दे रही हैं। दुकानदारों का कहना है बारिश और ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन का असर स्थानीय बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। पर्व नजदीक होने के बावजूद अभी तक खरीदारी में वह तेजी नहीं आई है, जिसकी व्यापारियों को उम्मीद थी।

नगर के प्रमुख बाजारों में राखी, मिठाई, कपड़े और उपहारों की दुकानों पर इन दिनों त्योहार के अनुरूप चहल-पहल कम दिखाई दे रही है। दुकानदारों ने कई दिन पहले से ही आकर्षक राखियों का स्टॉक मंगाकर दुकानों को सजा लिया था, लेकिन ग्राहक अपेक्षा के अनुसार बाजार तक नहीं पहुंच रहे हैं। व्यापारियों को उम्मीद थी कि रक्षाबंधन नजदीक आते ही बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ेगी, लेकिन बारिश और बदलते खरीदारी के तौर-तरीकों ने इस बार बाजार की तस्वीर कुछ बदल दी है।

रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें

रक्षाबंधन को लेकर बाजार में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की पसंद के अनुसार अलग-अलग डिजाइन की राखियां उपलब्ध हैं। पारंपरिक राखियों के साथ मोती, स्टोन, रुद्राक्ष, जरी, कंगन और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां दुकानों पर सजाई गई हैं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और अलग-अलग रंगों की राखियां भी रखी गई हैं। इसके बावजूद दुकानदारों का कहना है कि बाजार में ग्राहक तो आ रहे हैं, लेकिन खरीदारी का स्तर अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। कई लोग बाजार में राखियों के डिजाइन और दाम देखकर वापस लौट रहे हैं, जबकि कुछ लोग अंतिम समय में खरीदारी करने की बात कह रहे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन से एक दिन पहले और पर्व के दिन सुबह खरीदारी में तेजी आ सकती है।

राखी विक्रेताओं का कहना है कि हर वर्ष रक्षाबंधन से दो-तीन दिन पहले बाजार में काफी भीड़ दिखाई देती थी। महिलाएं और युवतियां परिवार के साथ खरीदारी करने पहुंचती थीं, लेकिन इस बार बाजार में पहले जैसी चहल-पहल नहीं हैबारिश का असर भी स्थानीय बाजार पर दिखाई दे रहा है। लगातार बारिश होने और मौसम के खराब बने रहने के कारण लोग जरूरत होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। कई लोग बारिश के कारण बाजार पहुंचने से बच रहे हैं। बाजार की सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में कीचड़ और जलभराव जैसी समस्याएं भी लोगों की आवाजाही को प्रभावित कर रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि बारिश के कारण ग्राहक आराम से बाजार में घूमकर खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं। बारिश शुरू होते ही लोग दुकानों और घरों की ओर लौट जाते हैं।

इसका असर विशेष रूप से छोटे दुकानदारों पर पड़ रहा है, जिन्होंने केवल रक्षाबंधन के मौसम को देखते हुए बड़ी संख्या में राखियां और अन्य सामान खरीदा है।स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यदि मौसम साफ रहता तो बाजारों में अधिक भीड़ दिखाई देती। रक्षाबंधन जैसे बड़े त्योहार पर लोग परिवार के साथ खरीदारी के लिए निकलते हैं, लेकिन बारिश ने लोगों की दिनचर्या बदल दी है।राखी बाजार में अपेक्षित भीड़ कम होने का एक बड़ा कारण ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता चलन भी माना जा रहाहै

छोटे दुकानदारों की बढ़ी चिंता

रक्षाबंधन को लेकर कई छोटे दुकानदारों ने विशेष तैयारी की थी। कुछ व्यापारियों ने अस्थायी दुकानें लगाई हैं, जबकि कई दुकानदारों ने सामान्य दिनों की तुलना में अधिक मात्रा में राखियों का स्टॉक मंगाया है। बाजार में ग्राहकों की कम संख्या के कारण इन दुकानदारों की चिंता बढ़ गई है। छोटे दुकानदारों का कहना है कि त्योहारों के मौसम में होने वाली बिक्री से ही सालभर के कारोबार को कुछ सहारा मिलता है। राखी जैसे पर्व पर अच्छी बिक्री की उम्मीद रहती है, लेकिन इस बार अब तक बाजार की स्थिति अपेक्षा के अनुसार नहीं है। दुकानदारों को डर है कि यदि अंतिम समय में बिक्री नहीं बढ़ी तो उनके पास बड़ी मात्रा में सामान बच सकता है।हालांकि कई व्यापारियों ने उम्मीद नहीं छोड़ी है।

मिठाई और उपहार बाजार पर असर

रक्षाबंधन के साथ मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी भी जुड़ी होती है। बहनें भाइयों को राखी बांधने के बाद मिठाई खिलाती हैं और भाई बहनों को उपहार देते हैं। रक्षाबंधन अब एक दिन दूर है। ऐसे में दुकानदारों को उम्मीद है कि अंतिम दिन बाजार की तस्वीर बदल सकती है। त्योहार के एक दिन पहले अक्सर लोग राखी, रोली, चावल, मिठाई और उपहार खरीदने के लिए बाजार पहुंचते हैं। कई परिवारों में त्योहार की तैयारियां अंतिम समय में पूरी की जाती हैं।राखी विक्रेताओं का कहना है कि यदि बारिश का दौर कम हुआ और मौसम खुला तो बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ सकती है। व्यापारियों ने दुकानों पर पर्याप्त स्टॉक रखा है और ग्राहकों की पसंद के अनुसार अलग-अलग कीमतों की राखियां उपलब्ध कराई हैं।बाजार में भले ही अपेक्षित रौनक अभी दिखाई नहीं दे रही हो, लेकिन घरों में रक्षाबंधन की तैयारियां चल रही हैं। महिलाएं और युवतियां पूजा की थाली तैयार करने, पकवान बनाने और परिवार के साथ त्योहार मनाने की तैयारी कर रही हैं। यह पर्व भाई और बहन के बीच प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी के रिश्ते को मजबूत करता है। इस दिन बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और लंबी आयु की कामना करती हैं। भाई अपनी बहनों को उपहार देते हुए उनकी रक्षा और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लेते हैं।बाजार की रौनक पर अंतिम दिन की नजरबुधनी के बाजारों में फिलहाल दुकानदार ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें त्योहार की आहट तो दे रही हैं, लेकिन अपेक्षित भीड़ अभी तक नहीं दिखाई दी है। लगातार बारिश और ऑनलाइन खरीदारी ने स्थानीय बाजार की रफ्तार को कुछ धीमा जरूर किया है।अब व्यापारियों की उम्मीद रक्षाबंधन से पहले के अंतिम दिन पर टिकी है।

उल्लास-एक अभिनव प्रयोग के तहत प्रतियोगिता आयोजित

जागरण बुधनी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर संजीव अग्रवाल के निर्देशानुसार उल्लास-एक अभिनव प्रयोग के अंतर्गत 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए, वहीं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।चित्रकला प्रतियोगिता में कु. संस्कृति कीर ने प्रथम स्थान, कु. प्रांजल शिवहरे ने द्वितीय स्थान तथा कु. श्रद्धा झारखंडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं बच्चों ने हर्ष और उत्साह के साथ सहभागिता की। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ ही रचनात्मक गतिविधियों के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया गया।

तस्कर ट्रैक्टर छोड़कर भागे, 11 नग सागौन जब्त

जागरण बुधनी। वन परिक्षेत्र बुधनी के ऊंचावेड़ा जंगल में विगत दिवस वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध सागौन से भरा ट्रैक्टर जब्त किया है। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात हुई कार्रवाई के दौरान वन अमले की भनक लगते ही लकड़ी तस्कर मौके पर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार जंगल में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई कर लकड़ी को ट्रैक्टर के माध्यम से बाहर ले जाने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान वन विभाग को मुखबिर से इसकी सूचना मिली। सूचना मिलते ही वन अमले ने टीम गठित कर जंगल में घेराबंदी की और मौके पर दबिश दी।वन विभाग की टीम को देखते ही आरोपी जंगल की ओर भाग निकले। वन अमले ने मौके से ट्रैक्टर सहित 11 नग सागौन की लकड़ी बरामद की। जब्त ट्रैक्टर को वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया है, जबकि बरामद सागौन की लकड़ी को डिपो में सुरक्षित रखवाया गया है।वन विभाग के अनुसर जब्त सागौन की कुल मात्रा करीब 0.483 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 18 हजार रुपये बताई गई है। वहीं जब्त ट्रैक्टर की कीमत का आंकलन किया जा रहा है।वन विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों की पहचान एवं तलाश सहित आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। रात के अंधेरे में जंगल से सागौन की अवैध कटाई और उसे वाहन के जरिए बाहर ले जाने की कोशिश सामने आने के बाद वन अमले की कार्रवाई से लकड़ी तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

रक्षाबंधन से पहले बाजार में रौनक, राखियों की बढ़ी मांग

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। रक्षाबंधन का पर्व जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे भैरूंदा के बाजार में त्योहार की रौनक बढ़ती जा रही है। मुख्य बाजार से लेकर भारत माता चौक और आसपास के क्षेत्रों में राखियों की दुकानें रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक डिजाइनों से सजी नजर आ रही हैं। इस बार बाजार में सबसे खास बात यह देखने को मिल रही है कि बहनें केवल पारंपरिक राखियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भाई की उम्र और पसंद के हिसाब से राखी का चयन कर रही हैं। बाजार में 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की राखियां उपलब्ध हैं। सामान्य राखियों के साथ फैंसी, डिजाइनर, मोती, स्टोन, रेशम की डोर और आकर्षक सजावट वाली राखियों की अलग-अलग वैरायटी दुकानों पर मौजूद है। दुकानदारों के अनुसार फिलहाल 10 से 100 रुपए तक की राखियों की मांग सबसे ज्यादा है, जबकि अंतिम दिनों में महंगी और विशेष डिजाइन वाली राखियों की बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है।

खरीदारी का अंदाज भी बदला नजर आ रहा है। बहनें राखी की कीमत से ज्यादा इस बात पर ध्यान दे रही हैं कि वह उनके भाई को पसंद आए। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और खिलौनेनुमा डिजाइन वाली राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। वहीं युवाओं के लिए स्टाइलिश, मोती, स्टोन और रेशम की डोर वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। कुछ राखियों में रंगीन लाइटिंग और आकर्षक सजावट भी की गई है। बच्चों के पसंदीदा कार्टून पात्रों वाली राखियों के अलावा युवाओं के लिए आधुनिक डिजाइन की राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। पारंपरिक राखियों की मांग भी बरकरार है और कई बहनें सादगी वाली राखियों को ही प्राथमिकता दे रही हैं।

रक्षाबंधन का बाजार अब केवल राखी तक सीमित नहीं रहा। राखी की दुकानों के साथ मिठाई, चॉकलेट, गिफ्ट आइटम और पैकिंग सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। बहनें राखी के साथ भाई की पसंद की चॉकलेट, मिठाई या कोई उपयोगी उपहार खरीद रही हैं। वहीं भाइयों ने भी बहनों के लिए उपहार खरीदने की तैयारी शुरू कर दी है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहार से एक-दो दिन पहले बाजार में खरीदारी का दबाव और बढ़ने की संभावना है। अंतिम समय में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग भैरूंदा पहुंचते हैं, जिससे बाजार में और चहल-पहल देखने को मिल सकती है।

राखी विक्रेताओं के मुताबिक इस समय सबसे ज्यादा मांग 10 से 100 रुपए कीमत वाली राखियों की है। इन राखियों में रंगीन धागे, मोती, स्टोन, कार्टून और पारंपरिक डिजाइन शामिल हैं। वहीं विशेष डिजाइन और अधिक सजावट वाली राखियां 150 से 500 रुपए तक की कीमत में उपलब्ध हैं। दुकानदारों ने इस बार ग्राहकों की अलग-अलग पसंद को देखते हुए कई रेंज की राखियां मंगाई हैं।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर नगर में निकला भव्य जुलूस आपसी भाईचारे का दिया संदेश, जगह-जगह हुआ स्वागत

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को भैरूंदा नगर में मुस्लिम समाज द्वारा शान-ओ-शौकत, अदब और एहतराम के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। प्रशासन और पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकले जुलूस में बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। जुलूस के दौरान दरूद-ओ-सलाम और मरहबा या मुस्तफा की सदाओं से नगर का माहौल खुशनुमा हो गया। समाजजनों ने देश और क्षेत्र में अमन-चैन, खुशहाली, शांति और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। जुलूस का आगाज दोपहर करीब 2 बजे खजूर वाले मैदान से हुआ। जुलूस आजाद मार्केट से होते हुए रॉयल मार्केट, जेपी मार्केट, दुर्गा मंदिर चौराहा, बस स्टैंड और सीहोर रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। करीब तीन घंटे तक जुलूस नगर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरा और वापस खजूर वाले मैदान पहुंचकर समापन हुआ। जुलूस के मार्ग में बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत कर सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की।

युवाओं ने दिखाए करतब

जुलूस में घोड़े, बैंड-बाजे और विभिन्न अखाड़ों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। अखाड़ों के उस्तादों और कलाकारों ने पारंपरिक करतब प्रस्तुत किए। युवाओं और बच्चों के प्रदर्शन को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा रही। बैंड की धुनों और धार्मिक सदाओं के बीच जुलूस में शामिल समाजजनों में उत्साह और उमंग नजर आई।

जगह-जगह किया गया स्वागत

जुलूस का नगर में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक सद्भाव के साथ स्वागत किया गया। रॉयल मार्केट में फूलों से जुलूस का इस्तकबाल किया गया। दुर्गा मंदिर चौराहे पर सर्वहारा कॉलोनी के युवाओं ने जुलूस में शामिल लोगों को शरबत पिलाया। समाज के वरिष्ठजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया। अदालत के सामने मध्यप्रदेश किसान संगठन की ओर से गुलाब के फूलों की बारिश कर जुलूस का खैरमकदम किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, अधिकारी-कर्मचारियों और नगरवासियों ने भी फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। एसडीएम सुधीर कुशवाह, एसडीओपी रोशन कुमार जैन, तहसीलदार सौरभ शर्मा, नायब तहसीलदार रामदास गोरले और थाना प्रभारी घनश्याम दांगी सहित राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने जुलूस मार्ग की लगातार निगरानी की और यातायात व्यवस्था को भी संभाला। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। आयोजन के माध्यम से नगर में एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।

मुस्लिम समाज ने मुख्य मार्गों से निकाला जुलूस

जागरण सोहागपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-विलादत के मुबारक अवसर पर बुधवार को सोहागपुर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का पर्व बड़ी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर नगर में धार्मिक उल्लास का माहौल रहा और बड़ी संख्या में समाजजन जुलूस में शामिल हुए। नगर के किलापुरा वार्ड, गांधी वार्ड, अंबेडकर वार्ड एवं रामगंज से अलग-अलग जुलूस निकाले गए, जो बिहारी चौक पर एकत्रित हुए। यहां से सभी जुलूस एक विशाल जुलूस के रूप में आगे बढ़े। जुलूस में शामिल अकीदतमंद नात-ए-पाक पढ़ते हुए चल रहे थे।

प्लॉट बेचना है
बुधनी में कामर्शियल
कॉर्नर प्लॉट 9400 वर्गफीट
औद्योगिक क्षेत्र से तुलसी
परिसर से लगा हुआ
व्यावसायिक प्लॉट
कीमत 2000 रुपए वर्गफीट
संपर्क : 9644946918

आवश्यकता है
कंप्यूटर ऑपरेटर
की आवश्यकता है
जिसे अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान हो
लड़के लड़की दोनों को प्राथमिकता
वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क करें- 9926376591

स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है असर और सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश, बुखार तथा कमजोरी जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं

बारिश, बादल और ठंडी हवाओं ने बदला मौसम, बढ़ा वायरल संक्रमण

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। लगातार बदलते मौसम ने नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। कभी तेज धूप और उमस, तो कभी अचानक बादल छाने के बाद बारिश तथा ठंडी हवाओं का दौर चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में मौसम के इस उतार-चढ़ाव से तापमान में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। बारिश के बाद जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिल रही है। वहीं मौसम खुलने के साथ फिर तापमान बढ़ने से उमस का असर महसूस होने लगता है। मौसम के इस बदलाव का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है और सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश, बुखार तथा कमजोरी जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं। दूसरी और मौसम में लगातार बदलाव के साथ वायरल संक्रमण की आशंका भी बढ़ गई है। नगर में वायरल बुखार और खांसी-जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने मुताबिक वायरल संक्रमण के बाद बुखार सामान्यतः कुछ दिनों में उतर जाता है। लेकिन खांसी कई दिनों तक बनी रह रही है। क्षेत्र में भी मौसम बदलने के साथ अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में सर्दी-जुकाम, बुखार, गले में खराश और खांसी की शिकायत के मरीज सबसे अधिक देखने को मिल रहे हैं।

एक दिन में कई बार बदल रहा मौसम: क्षेत्र में मौसम का सबसे बड़ा असर इस बात के रूप में

सामने आ रहा है कि एक ही दिन में कई बार मौसम का मिजाज बदल रहा है। सुबह बादल, इसके बाद धूप, दोपहर में उमस और शाम को बारिश या ठंडी हवाएं इस तरह के बदलाव लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। बारिश के बाद तापमान गिरने से गर्मी से तत्काल राहत मिलती है, लेकिन वातावरण में नमी बढ़ने के कारण बारिश रुकने के बाद उमस फिर परेशान करने लगती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के बाद वातावरण में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। ऐसे मौसम में भीड़भाड़ वाली जगहों पर संक्रमण तेजी से फैलने की संभावना रहती है। यही वजह है कि लोगों को बारिश और ठंडी हवाओं के बीच अनावश्यक रूप से भीगने से बचने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है।

दी सावधानी बरतने की सलाह

सीबीएमओ मनीष सारस्वत का कहना है कि मौसम बदलने के दौरान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ सकता है। ऐसे में पर्याप्त पानी पीना, संतुलित भोजन लेना और नींद पूरी करना जरूरी है। बारिश में भीगने के बाद गीले कपड़ों में अधिक देर तक नहीं रहना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से ठंडी हवाओं और अचानक तापमान में होने वाले बदलाव से बचाने की जरूरत है। यदि बुखार लगातार बना रहे, खांसी बढ़ती जाए, सांस लेने में परेशानी हो, सीने में दर्द हो या बुखार दोबारा लौट आए तो इसे सामान्य वायरल मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करने से भी बचना चाहिए, क्योंकि हर वायरल संक्रमण में एंटीबायोटिक की जरूरत नहीं होती।

खेती-किसानी पर भी मौसम की नजर

मौसम के इस बदलाव का असर क्षेत्र की खेती-किसानी पर भी पड़ रहा है। बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है, लेकिन लगातार बादल और बारिश के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति बनने पर फसलों को नुकसान का खतरा भी रहता है। वहीं बारिश के बीच अचानक तेज धूप निकलने से खेतों में नमी और तापमान का संतुलन बदलता है। किसानों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर रखते हुए कृषि कार्य करने की जरूरत है।

जहाँ संस्कारों की जड़ें और आधुनिक शिक्षा का संगम होता है
VEDASPROUT PRESCHOOL
हमारी विशेषताएँ
सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरणादायक वातावरण
अनुभवी और स्नेही शिक्षिकाएँ
खेल-आधारित शिक्षण पद्धति
आधुनिक तकनीक व भारतीय परंपरा का सुंदर मेल
हम क्या सिखाते हैं: भाषा विकास (Phonics, Storytelling) गणितीय सोच (Numbers, Patterns) विज्ञान के रोचक प्रयोग कला, संगीत व शारीरिक विकास नैतिक शिक्षा व संस्कार
अतिरिक्त गतिविधियाँ: योग व ध्यान सत्र सांस्कृतिक त्योहारों का उत्सव कला और हस्तकला कार्यशालाएँ
हमारा लक्ष्य: हर बच्चे का सर्वांगीण विकास ताकि वह बने आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक
आइए, बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव आज ही रखें!
- परिवार एवं टीम VedaSprout
Playgroup Nursery LKG UKG
शिव विहार कॉलोनी, भैरूंदा
vedasproutpreschool@gmail.com
+91 8602574783
vedasprout.my.canva.site
ADMISSIONS OPEN
ENROLL NOW!

रक्षाबंधन में मिठाइयों की मांग बढ़ते ही नकली मावा और पनीर बनाने वालों की हुई चांदी

सावधान! नकली मावा, सिंथेटिक दूध से बन रही मिठाइयां, नकली घी का आरोपी पकड़ से बाहर

जागरण, आष्टा/जावर। रक्षाबंधन का पर्व आते ही मिठाइयों की खपत बढ़ जाती हैं, ऐसे में मांग और पूर्ति के गणित को हल करने के लिए बाजार में नकली मावा, पनीर और घी बनाने वाले सक्रिय हो जाते हैं और इस अवसर का लाभ उठाकर लाखों कमाते हैं, उनकी इस कमाई का लोगो के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता हैं। इन सब से बेखबर खाद्य अपमिश्रण विभाग के अधिकारी चेन की बंसी बजा रहे हैं। जिस प्रकार की व्यवस्था ने जन्म ले लिया हैं, उससे मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री बनाने वाले बेखौफ हैं। यही कारण हैं कि शहर से लेकर गांव तक मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री से युक्त मिठाई से लगाकर दूध तक बिक रहा हैं। ऐसे में शुद्ध घी की कल्पना ही नहीं की जा सकती हैं। बीते दिनों डोडी में बड़ी मात्रा में नकली घी मिला, लेकिन आरोपी अभी भी फरार हैं। जिला मुख्यालय पर पकड़ी गई फैक्ट्री इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मिलावटी और नकली खाद्य पदार्थ की रोकथाम के लिए जिले में खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के तहत एक पूरी फौज तैनात हैं। आष्टा में भी एक खाद्य अधिकारी मौजूद हैं, जो तफरियाना अंदाज में नौकरी करती हैं। सुबह देर से आती हैं और दोपहर बाद चली जाती हैं। नागरिक उनके बारे में जानकारी लेने के लिए तहसील कार्यालय जाते हैं, तो वहां

मौजूद कर्मचारी कहता हैं कि मेडम भ्रमण पर हैं। अब लाख टके का सवाल यह हैं कि एसडीओ राजस्व आष्टा में मौजूद हैं और कलेक्टर सीहोर में इसके बाद भी नकली घी के सौदागर पकड़ से बाहर हैं। मिलावटी खाद्य सामग्री बाजार में उपलब्ध हैं और पर्व के चलते ही मावा भी प्रचुर मात्रा में बाजार में बिकने आ गया हैं। आखिर कलेक्टर और एसडीएम इतना तो जानते हैं कि इस तहसील में सामान्य रूप से मावा और पनीर की कितनी खपत हैं और अतिरिक्त मांग की पूर्ति किस प्रकार हो रही हैं? जिस बेरौक-टौक तरीके से खाद्य अपमिश्रण विभाग का कर रहा हैं, उसकी वजह से नागरिकों को मिलावटी खाद्य सामग्री प्राप्त हो रही हैं।

जांच के अभाव में बढ़ रहा मिलावट का खेल:- स्थानीय लोगों का आरोप हैं कि जावर के जावरजोड से लेकर नगर एवं डोडी, मेहतवाडा, कजलास, खडी सहित ग्रामीण, सीमावर्ती बाजारों में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से नियमित रूप से मिठाई दुकानों की जांच नहीं की जाती। दुकानों में मिठाइयों की गुणवत्ता, निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, साफ-सफाई, पैकेजिंग और रख-रखाव की जांच नहीं होने से मिलावटखोरों को खुली छूट मिल रही है। वहीं अधिकारी सेंपल लेने आते भी हैं, तो सेंपल लेकर चले जाते है परन्तु इन मिलावटखोरो पर कार्यवाही नही होती। लोगों ने जिला प्रशासन से त्योहार के मद्देनजर विशेष जांच अभियान चलाने और दोषी दुकानदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

इस तरह तैयार किए जाने का दावा:- स्थानीय स्तर पर मिलावट को लेकर लोगों में चर्चा है कि सिंथेटिक दूध तैयार करने में यूरिया, डिटर्जेंट, रिफाइंड और अन्य रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल की शिकायतें मिलती हैं। इसी प्रकार नकली मावा तैयार करने में सिंथेटिक दूध के साथ सूजी, तेल, रंग, आलू और शकरकंद जैसी सामग्री मिलाए जाने की बात कही जाती हैं। हालांकि ऐसी सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता हैं और इसकी पुष्टि केवल अधिकृत जांच के बाद ही की जा सकती है।

मिलावटी मिठाई से स्वास्थ्य पर हो सकता हैं खतरा:- बीएमओ डॉ. अमित माथुर ने बताया कि दूषित या मिलावटी मिठाइयों के सेवन से फूड प्वाइजनिंग, जी मिचलाना, बेचैनी, चक्कर, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक अखाद्य या हानिकारक रासायनिक पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। इसलिए पर्व के दौरान लोगों को मिठाई खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, ताजगी, पैकिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि तथा दुकान की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

नुकल प्रजापति ने नीट यूजी में 567 अंक प्राप्त किए, दी बधाई

जागरण, आष्टा। सांदीपनि विद्यालय के पूर्ण छात्र नकुल राकेश प्रजापति का एमबीबीएस में चयन हुआ हैं।

राकेश प्रजापति ने बताया कि नीट यूजी परीक्षा में 567 अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थी नकुल प्रजापति का मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित शासकीय कॉलेज मे एमबीबीएस के लिए प्रथम प्रयास में चयन होने पर अनिल श्रीवास्तव एवं आदि ने स्वागत कर बधाई दी। बधाई देने वालो में वरिष्ठ अधिवक्ता आरएम धारवां, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं इतिहासकार सुधीर पाठक, अनिल श्रीवास्तव, सतीश नवेल्टी, पंकज सेठी, संदीपनि विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान, बीआरसीसी अजबसिंह राजपूत, मॉडल स्कूल के प्राचार्य भगवानसिंह राजपूत, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश पालीवाल, पंकज सेठी, उत्थान धारवां, सक्षम श्रीवास्तव सहित अनेक लोगो एवं मित्रगणों ने बधाई दी।

सिंधी समाज ने मनाया भगवान झूलेलाल चालीसा महापर्व

जागरण, आष्टा। सिंधी समाज द्वारा भगवान श्री झूलेलाल चालीसा महापर्व, अखंड ज्योति एवं बेहराणा साहिब महोत्सव मनाया। 40 दिनों तक चले इस महापर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम, आरती-वंदन एवं प्रार्थना का आयोजन किया।

पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मनोहर भोजवानी ने बताया कि सिंधी समाज में भगवान श्री झूलेलाल चालीसा महापर्व का विशेष धार्मिक महत्व हैं। मान्यता है कि जब दुष्ट शासक मिरख शाह ने सिंधी हिंदुओं को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया तब सिंधी हिंदू समुदाय ने सिंधु नदी के किनारे 40 दिनों तक अनवरत तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान श्री झूलेलाल वरुण देव के स्वरूप में प्रकट हुए और समाज की रक्षा की। तभी से सिंधी समाज में चालीसा महापर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। श्री भोजवानी ने बताया कि बेहराणा साहिब इस महापर्व का प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान है। इसे आटे के दीपक को फूलों से सजाकर धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। महापर्व के अंतिम दिन समाजजन ने बेहराणा साहिब को सिर पर धारण कर भगवान श्री झूलेलाल का आशीर्वाद लिया। इसके बाद सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर देश-विदेश में रह रहे समाजजनों सहित देश की खुशहाली, समृद्धि एवं सुख-शांति की प्रार्थना की गई।

श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का शुभारंभ

जागरण, आष्टा। दिगंबर जैन किला मंदिर में तीन दिवसीय श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का बुधवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ शुभारंभ हुआ। विधान का समापन 28 अगस्त को महाअर्घ्य अर्पित कर तथा सभी एक-दसरे को रक्षा सूत्र बांधकार धर्म एवं साधु संतों की रक्षा का संकल्प लेकर किया जाएगा। तीनों दिन प्रातः 7 बजे से धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ होंगे। 28 अगस्त को विधान की पूर्णाहुति महाअर्घ्य अर्पित कर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ की जाएगी।

आयोजन में प्रतिदिन शांतिधारा, जिनाभिषेक, नित्य पूजन एवं श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का संगीतमय पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही मुनि संघ की मंगल दिव्य देशना का धर्मलाभ भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। पूरा आयोजन संगीत एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो रहा हैं। मुनिसागर महाराज ने बताया कि निर्ग्रंथ महामुनिराज अकलंकाचार्य आदि 700 मुनिराजों की रक्षा से जुड़े महान पर्व श्री रक्षाबंधन के पुण्य अवसर पर इस विधान का आयोजन किया गया है। आयोजन में परम पूज्य मुनि श्री मुनि सागर जी महाराज, मुनि श्री अभेद सागर जी महाराज, मुनि श्री अगम्य सागर जी महाराज एवं ऐलक श्री मंथन सागर जी महाराज का सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हो रहा है। आयोजन ब्रह्मचारिणी मंजुला दीदी के निर्देशन में संपन्न होगा। विधान के शुभारंभ के बाद नगर गौरव अगर्भ सागर महाराज ने रक्षाबंधन पर्व की धार्मिक महत्ता बताते हुए कहा कि यह धर्म, धर्मायतन और संतों की रक्षा का पर्व है। संकल्पपूर्वक माता-बहनों सहित सभी को रक्षा सूत्र बांधना चाहिए। महाराजश्री ने बताया कि मुनि विष्णुकुमार ने सात सौ मुनिराजों का उपसर्ग दूर किया था। इसके बाद सभी मुनिराजों को आहार में खीर दी गई। उस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधा। इसी प्रसंग से रक्षाबंधन पर्व की परंपरा प्रारंभ होने की मान्यता है।

वीआईटी के शिविर में 500 यूनिट रक्तदान

जागरण, आष्टा। वीआईटी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा हमीदिया अस्पताल भोपाल के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों ने लगभग 500 यूनिट से अधिक रक्त दान किया।

वीआईटी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. प्रदीप एस चौहान ने बताया कि शिविर का शुभारंभ वाइस चांसलर डॉ. सतीश कुमार मोढ़, प्रो.वीसी डॉ. टीबी श्रीधरन, रजिस्ट्रार डॉ. ज्ञानप्रकाश मिश्रा, डायरेक्टर ऑपरेशंस डॉ. एस. प्रभाकर ने द्वीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. विनोद भट्ट, डॉ. देवव्रत गुप्ता, सुश्री दीप्ति भोजवानी विशेष रूप से उपस्थित थी। अतिथियों का तिलक एवं एनएसएस बैज लगाकर स्वागत छात्र-छात्राओं ने स्वागत किया।

अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला एवं रक्तदान से जुड़ी

भ्रांतियों को दूर किया तथा छात्रों को नियमित रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई शिविर में छात्रों ने भाग लिया, जिसके परिणाम यह हुआ कि 500 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया। हमीदिया अस्पताल के रक्त बैंक सलाहकार सुश्री श्वेता वर्मा एवं डॉ. परीना कुरैशी ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।

ईद मिलादुन्नबी पर आष्टा एवं जावर में हुए आयोजन

जागरण, आष्टा। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन की याद में मनाए जाने वाले ईद मिलादुन्नबी पर बुधवार को आष्टा एवं जावर नगर में चल समारोह निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थें तथा एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की गले मिलकर बधाई दी।

मां बगलामुखी दर्शन करने आए संभाग आयुक्त के परिवार का वाहन पंडितों ने रोका

पंजीयन की मांग को लेकर मंदिर परिसर में वाहन रोकने से बनी विवाद की स्थितिए थाना प्रभारी की सजगता से टला बड़ा विवाद

जागरण नलखेड़ा। विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में बुधवार को उस समय विवाद की स्थिति बन गईए जब उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह के परिवार के सदस्य दर्शन.पूजन के बाद सरकारी वाहन से लौट रहे थे। मंदिर में पूजन.पाठ करने वाले कुछ पंडितों ने पंजीयन के लिए आवेदन देने की मांग को लेकर वाहन को रोक लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाकर वाहन को रवाना कराया। **पंजीयन की मांग को लेकर रोका वाहन-**प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह की धर्मपत्नी सहित परिवार के सदस्य मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन.पूजन के लिए सरकारी वाहन से पहुंचे थे। दर्शन के बाद जब परिवार वापस लौट रहा थाए तभी मंदिर परिसर में कुछ पंडितों ने वाहन को रोक लिया। बताया जा रहा है कि कुछ पंडित संभाग आयुक्त को पंजीयन से संबंधित आवेदन देना चाहते थे। हालांकि वाहन में संभाग आयुक्त आशीष सिंह स्वयं मौजूद नहीं थेए बल्कि उनके परिवार के सदस्य सवार थे। इसी दौरान वहां मौजूद भीड़ में से एक व्यक्ति द्वारा वाहन के सामने लेट जाने की बात भी सामने आईए जिसे पुलिस ने मौके से हटाया।

थाना प्रभारी की सजगता से टला विवाद-जिस समय वाहन को मंदिर परिसर में रोका गयाए उसी दौरान थाना प्रभारी शशि उपाध्याय ईद मिलादुन्नबी के चल समारोह की व्यवस्था से लौटते हुए मंदिर की ओर आ रही थीं। स्थिति की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल मौके पर पहुंचकर भीड़ को अलग किया और वाहन को सुरक्षित रवाना कराया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति बिगड़ने से बच गई। यदि समय रहते भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जाता तो विवाद बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

मंदिर की व्यवस्थाओं पर उठ रहे सवाल-विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में लगातार सामने आ रही घटनाओं के चलते मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रबंधन समिति को प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता हैए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और मंदिर की गरिमा बनी रहे।

रसूले खुदा की आमद पर जुलूस के रूप में निकले आशिक, मिलादुन्नबी पर शहर में लुटाया लंगर

जागरण शाजापुर। दाता की आमद मरहबा, धूम मचा दो आमद की आ गए सरकार...। नगर में इसी तरह नात पढ़ते हुए हाथों में सब्ज झंडा थामे रसूले खुदा की आमद को लेकर सड़कों पर हजारों आशिके रसूल जुलूस के रूप में निकले और पैगम्बरे रिसालत ताजदारे मदीना का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। बुधवार को सरवरे कायनात की पैदाईश का जश्न आशिकों ने धूमधाम के साथ मनाया और इस दिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर अमन चैन की दुआएं मांगी गईं। मेहबूब-ए-दावर की आमद पर नगर की जामा मस्जिद में सुबह कुरआन ख्वानी की गई। इसके बाद नगर में एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें समाज के बच्चे, बुढ़े और जवानों ने शामिल होकर नबी-ए-पाक के प्रति अपने इश्क का इजहार कर दुरूद और सलाम पेश किया। यह जुलूस मीरकला बाजार, बड़ा चौक, नई सडक, कृष्णा टाकिज चौराहा, फव्वारा चौक, टेंशन चौराहा, काछीवाड़ा, मगरिया चौराहा, सोमवारिया बाजार, कंस चौराहा, हुसैनी चौक होता हुआ पुनः जामा मस्जिद पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में हजारों की संख्या में समाजजन शामिल थे।

फूलों की बारिश से हुआ आशिकों का स्वागत-ताजदारे मदीना की पैदाईश पर नगर में जुलूस के रूप में निकले आशिके रसूलों का जगह-जगह फूलों की बारिश कर स्वागत सत्कार किया गया। वहीं बच्चों और बड़ों में तबर्रूक बांटा गया। इसी प्रकार अन्य सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने भी जुलूस का स्वागत किया। वहीं पैगम्बरे इस्लाम की पैदाईश के जश्न में डूबे मुस्लिम समाज के युवाओं ने बाइक से हैरतंगेज करतब दिखाते हुए लोगों को हतप्रभ कर दिया। जुलूस में शामिल हरे झंडे और थिरकते घोड़ों के कदम आकर्षण का केंद्र रहे। साथ ही जुलूस के दौरान किसी प्रकार की कोई अशांति न फैले इसको लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद रहा। महूपुरा मोहल्ला सहित अन्य मोहल्लों में लंगर लगाया गया। **करणी सेना परिवार ने किया भव्य स्वागत-**ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर निकले जुलूस का करणी सेना परिवार द्वारा आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और एकता का संदेश देते हुए भव्य स्वागत किया गया। जुलूस के दौरान हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई आपस में भाई-भाई के नारों से माहौल गूंज उठा।

कालापीपल के खोकराकलां में निकली कावड़ यात्राएं गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

जागरण कालापीपल। कालापीपल क्षेत्र के ग्राम खोकराकलां में शिवभक्ति का उल्लास नजर आया। धर्म जागरण मंच के तत्वावधान में पिछले 10 वर्षों से लगातार निकाली जा रही कावड़ यात्रा इस वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा के दौरान हर.हर महादेव के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा।

भगवान शिव का स्मरण करते हुए कंधों पर कावड़ रखकर पदयात्रा शुरू -कावड़ यात्रा की शुरुआत ग्राम खोकराकलां से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित देहरी घाट से हुई। सुबह से ही बड़ी संख्या में शिवभक्त देहरी घाट पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने विधि.विधान से पवित्र जल भरा और भगवान शिव का स्मरण करते हुए कंधों पर कावड़ रखकर पदयात्रा शुरू की।

यात्रा में महिलाएंए पुरुषए युवा और बच्चे भी शामिल हुए। देहरी घाट से शुरू हुई यात्रा मोहनपुर, गणेशपुर होते हुए खोकराकलां पहुंची। रास्तेभर भजन और शिवभक्ति के गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने कावड़ यात्रियों का स्वागत किया। खोकराकलां पहुंचने के बाद कावड़ यात्रा ने गांव में नगर भ्रमण किया। इस दौरान सड़कों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दीं और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए।

पंकज जोशी ने भगवान शिव की प्रतिमा का किया पूजन-अर्चन-नगर भ्रमण के बाद कावड़ यात्रा नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। यहां देहरी घाट से लाए गए पवित्र जल से भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल अर्पित कर सुखए शांतिए समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ग्राम देहरी घाट से खोकराकलां तक निकली कावड़ यात्रा में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी ने भगवान शिव की प्रतिमा का पूजन.अर्चन किया। उन्होंने कावड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर रामेश्वर पाटीदार, राकेश पाटीदार, दीपसिंह राजपूत, रायसिंह मेवाड़ा, लीलाधर गौड़, दीपक मीना, सुनील परमार, केदार अस्ताया, यशवंत सांकला सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 12 को

जागरण नर्मदापुरम। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को किया जाएगा।

तीर्थ यात्रा श्रवण बेलगोला के लिए आवेदन 23 सितंबर तक

जागरण, सागर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिले से श्रवणबेलगोला की तीर्थ यात्रा प्रस्तावित की गई है। इस संबंध में मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्रवणबेलगोला तीर्थ स्थल के लिए सागर जिले को कुल 111 यात्रियों का कोटा आवंटित किया गया है।

सूने मकान का ताला टूटा, 20 हजार नकद चोरी, कैमरे में कैद हुए चार संदिग्ध

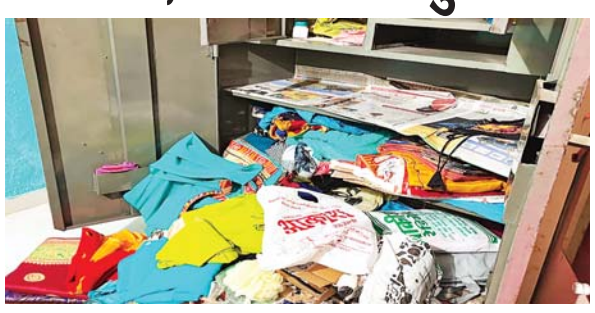

जागरण शाजापुर। रक्षा बंधन के लिए अपनी बहन को लेने गए भाई के सूने मकान पर बदमाशों ने धावा बोलते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार द्वारकापुरी कॉलोनी निवासी और पेशे से ड्राइवर विजय सोनी रक्षाबंधन के त्योहार के चलते अपनी बहन को लेने नागदा गए हुए थे।

वहीं, उनकी पत्नी भी अपनी सास के घर गई हुई थीं। रात के समय घर पर ताला लगा हुआ था। इसी सूनेपन का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाशों ने रात करीब 2 से 2.30 बजे के बीच घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया।

वीडियो कॉल से पता चली घटना

घटना का खुलासा बुधवार सुबह उस वक्त हुआ जब विजय की पत्नी वापस घर लौटीं। उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और अंदर कमरों व अलमारी का सारा सामान अस्त-व्यस्त बिखरा पड़ा है। यह मंजर देखकर उन्होंने तुरंत अपने पति विजय को वीडियो कॉल किया और चोरी की पूरी घटना की जानकारी दी। सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस-सूचना मिलते ही विजय सोनी शाजापुर लौटे और तुरंत कोतवाली थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि चोरों ने घर से कोई बड़ा सामान नहीं चुराया है, लेकिन अलमारी में रखे करीब 20 से 22 हजार रुपए नकद गायब हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुआयना किया। पुलिस ने जब कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, तो उसमें देर रात चार संदिग्ध लोग घटनास्थल से निकलते हुए दिखाई दिए हैं। कोतवाली पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त और उनकी धरपकड़ के प्रयास कर रही है।

नगर पालिका परिषद् सनावद जिला खरगोन

007280-234523 cmosanavad@mpurban.gov.in nagarpalikasanawad.com

2026/3293 25/Aug/2026

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

सार्वजनिक शौचालय के संचालन एवं संधारण हेतु

वार्ड 16 स्थित बस स्टेंड परिसर में नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का आगामी 15 वर्षों के लिए संचालन एवं संधारण किये जाने हेतु एजेन्सी नियुक्त किया जाना हैं। इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था अपने सील बंद आवेदन पत्र समस्त) आवश्यक अभिलेख सहित (निर्धारित अंतिम तिथि को सायं 06:00 बजे तक नगर पालिका परिषद् सनावद की राजस्व शाखा में प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिक विवरण कार्यालयीन समय में निकाय की राजस्व शाखा में प्राप्त किये जा सकते हैं. समयावधि : 15 वर्ष, धरोहर राशि : 30,000/-, प्रपत्र शुल्क : 2,000/- अंतिम तिथि : 8/9/2026 ।

अन्य विवरण कार्यालयीन समय में नगर पालिका की राजस्व शाखा में देखे जा सकते हैं. प्रस्तुत निविदाएँ आगामी कार्यदिवस पर खोली जाएंगी।

// जाहिर सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा ग्राम अरनियाकलां तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर म.प्र. प.ह.नं. 58 पर स्थित भूमि सर्वे नंबर 2634/1/1 रकबा 0.225 हे. में से एक प्लॉट क्रमांक 05 एवं 06, जिसकी साईज 40 फीट बाय 151.1 फीट होकर कुल क्षेत्रफल 6044 वर्गफीट है, को क्रय करने के संबंध में विक्रेता/भूमिस्वामी द्वारका प्रसाद ठाकुर पिता नन्नुलाल ठाकुर, जाति-खाती, निवासी- ग्राम तिलावद (मैना), तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर म.प्र. से लिखित अनुबंध दिनांक 22/08/2026 को करते हुए ऑशिक प्रतिफल राशि का भुगतान कर दिया गया है। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य पक्षकार का किसी प्रकार का स्वत्व, स्वामित्व हक, हित, अधिकार, कब्जा, बंधक, भार, ऋण, वाद-विवाद, आपत्ति, दावा अथवा अन्य कोई अधिकार हो, तो वह अपने ऐसे दावे/आपत्ति के समर्थन में समस्त मूल दस्तावेजों/प्रमाणित प्रतियों सहित इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मेरे समक्ष लिखित रूप में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी अन्य व्यक्ति का कोई दावा, अधिकार या हित नहीं है तथा भविष्य में प्रस्तुत किये जाने वाला कोई भी दावा/आपत्ति, मेरे पक्षकार/क्रेता के लिए बाध्यकारी नहीं होगा और मेरा पक्षकार नियमानुसार कार्यवाही करते हुए संदर्भित भूमि का अवशेष प्रतिफल विक्रेता को भुगतान कर उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय पत्र स्वयं के हित में अथवा निर्देशित किसी व्यक्ति के हित में करवाने के लिये स्वतंत्र होगा। यह सार्वजनिक सूचना उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी संभावित दावेदार को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

देवास, दिनांक - 24/08/26

भवदीय **आनंद एम. चौहान** एडव्होकेट
134, लाला लाजपत राय मार्ग, देवास (म.प्र.)
मो.-9827256710

न्यूज कॉर्नर

गायत्री तीर्थ पर श्रावणी पर्व का आयोजन

हाटपीपल्या। स्थानीय गायत्री तीर्थ पर प्रतिवर्षानुसार 28 अगस्त को श्रावणी पर्व मनाया जाएगा। प्रातः दैनिक कार्यक्रमों के पश्चात प्रातः 8.15 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। कार्यक्रम में तीर्थ आह्वान, हेमाद्रि संकल्प, दश स्नान, तर्पण, शिखा सिंचन, यज्ञोपवीत नवीनीकरण, पंच देवाव्हान, ब्रह्म, वेद और ऋषि पूजन के पश्चात नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ और संस्कार के बाद रक्षाबंधन, पौधारोपण, युग निर्माण सत्संकल्प के सामूहिक पाठ के साथ सभी परिजन साधना, स्वाध्याय, संयम और युगधर्म का पालन करने का संकल्प लेंगे। गायत्री परिवार के गिरीश चंद्र गुरु ने क्षेत्र के सभी परिजनों से उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन किया है। सभी साधन सामग्री की व्यवस्था शक्तिपीठ पर रहेगी। पर्व पर आयोजित यज्ञ और अन्य कार्यक्रमों में सभी परिजन सम्मिलित हो सकेंगे जो यज्ञोपवीत धारण नहीं करते हैं।

सनातन उत्सव समिति की कार्यशाला संपन्न

देवास। आगामी गणेश उत्सव एवं अन्य सार्वजनिक धार्मिक आयोजनों को अधिक संस्कारित, अनुशासित, पर्यावरण संरक्षक एवं सामाजिक रूप से उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सनातन उत्सव समिति द्वारा गत दिवस स्थानीय मल्हार स्मृति मंदिर में देवास नगर की विभिन्न गणेश उत्सव पंडाल समितियों एवं सार्वजनिक उत्सव संस्थाओं के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। आगामी उत्सवों के दौरान सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्कृति के क्षरण को रोकने, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन तथा सार्वजनिक उत्सवों में बढ़ते व्यसन, विवाद एवं अभद्र गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सेवा प्रमुख शैलेंद्र सोनी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सार्वजनिक उत्सवों को केवल धार्मिक आयोजन न मानकर समाज में संस्कार, सेवा, सद्भाव एवं नागरिक चेतना के प्रसार का माध्यम बनाने पर जोर दिया। समिति के सदस्य अनुभव शुक्ला एवं निशांत चित्रे ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न विषयों एवं सुझावों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वैभव शर्मा ने किया एवं आभार अजय तोमर ने माना।

धनी बाई का निधन

पीपलरावां। गत दिवस स्व. जौरावर सिंह की पुत्रवधू व सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक अमरसिंह चौहान की

धर्मपत्नी, सेवानिवृत्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रमेश चौहान की भाभी एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज चौहान की बड़ी मां तथा राजकुमार, राजवर्धन चौहान की बड़ी दादी श्रीमती धनी बाई का लंबी आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर मांगीलाल पोरवाल, परबतलाल मालवीय, छगन गुप्ता, पत्रकार अंबाराम शिंदे, बाबूलाल मालवीय, डॉ. सुरेंद्र चौहान, राधेश्याम राठौर, नानूराम शिंदे, सुनील कुमार सिंदल, शंकर सिंदल, मोहनसिंह राजपूत, अंबाराम मालवीय, कैलाशचंद्र शिंदे, शाहिद मंसूरी, कैलाशचंद्र पाठोदिया, पप्पू धाकड़, रामनारायण रावल, नौशाद सेठ ,भूपेंद्र नागर, अध्यापक अंबाराम शिंदे, धर्मेंद्र झाला, डॉ. विक्रमसिंह चौहान समेत कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अभा ब्राह्मण महासंघ का श्रावणी उपाकर्म आज

देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ एवं सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा श्रावणी उपाकर्म का आयोजन 27 अगस्त को प्रातः 8 बजे से मंडी व्यापारी धर्मशाला एबी रोड देवास में किया जाएगा। कार्यक्रम महासंघ अध्यक्ष पं. दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न होगा। महासंघ के महामंत्री डॉ. रितेश शर्मा, महेंद्र व्यास एवं संजय दुबे ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म में श्री शिव मदन वैदिक विद्यालय के विद्वान पं. देवनायक मिश्र, पं. सूर्यप्रकाश मिश्र एवं पं. कपिल शास्त्री द्वारा वैदिक विधि-विधान से उपाकर्म संपन्न कराया जाएगा।

शनिवार को लगेगा शिविर

देवास। शासन के निर्देशानुसार रक्षाबंधन पर्व के चलते इस बार मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर शुक्रवार के स्थान पर शनिवार को कन्नौद में आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर समस्याओं का समाधान करेंगे।

बगाना पंचायत में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल!, जांच की मांग

पांचवें वित्त आयोग के कार्यों से लेकर टैक्स रसीदों तक सवालों के घेरे में पंचायत

देवास। ग्राम पंचायत बगाना में पांचवें राज्य वित्त आयोग सहित विभिन्न मदों से कराए गए विकास कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बगाना, सिलावटी और लोहाना गांवों में पिछले करीब चार वर्षों में सीसी सड़क, श्मशान घाट, बाउंड्रीवॉल, सामुदायिक पार्क, पेवर ब्लॉक, जलाशय-तालाब, सार्वजनिक चबूतरा, कंपोस्ट पिट और नाडेप निर्माण जैसे कई कार्य कराए गए, लेकिन अब इन कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी स्वीकृति, मूल्यांकन और पूर्णता प्रमाण पत्र को लेकर सवाल सामने आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार कई कार्य कागजों में स्वीकृत और प्रगतिरत बताए गए हैं, जबकि मौके पर उनकी स्थिति और गुणवत्ता का भौतिक सत्यापन किया जाना जरूरी है। ऐसे में पिछले चार वर्षों में पंचायत में हुए सभी निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। वर्ष 2024-25 में पांचवें राज्य वित्त आयोग से जलाशय/तालाब निर्माण के कार्य कराए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि यह कार्य किसकी स्वीकृति और तकनीकी अनुमति के आधार पर कराया गया। मामले में तत्कालीन सचिव के पदस्थ रहते हुए पंचायत स्तर पर पूर्व सचिव के साथ मिलकर राशि आहरण किए जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। पंचायत में तत्कालीन सचिव की मौजूदगी के दौरान पूर्व सचिव की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पंचायत के कार्यों और वित्तीय प्रक्रिया में पूर्व सचिव के साथ मिलकर काम किया गया। सरपंच ने पूर्व सचिव के साथ मिलकर भुगतान निकाला यदि ऐसा हुआ है, तो यह जांच का विषय है कि किस अधिकारी की मौजूदगी में किस स्तर पर दस्तावेज तैयार हुए और भुगतान प्रक्रिया किस आधार पर पूरी हुई। ग्राम पंचायत में 25 से अधिक टैक्स एवं संपत्ति कर रसीदें काटे जाने का मामला भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि इन रसीदों के आधार पर ग्रामीणों को बैंक से ऋण लेने में दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। सवाल यह है कि इन रसीदें को पूर्व सचिव के हस्ताक्षर से काटी गई। तत्कालीन सचिव के रहते हुए सरपंच सचिव ने सांठगांठ कर खेल किया। बैंक दस्तावेजों का मिलान किया जाना जरूरी है। ग्रामीणों से चर्चा में यह बात भी सामने आई कि पंचायत में ऐसे कई कार्य बताए जा रहे हैं जिनकी मौके पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ कार्य अधूरे बताए जा रहे हैं, जबकि कुछ की गुणवत्ता को लेकर सवाल हैं। ऐसे में कागजों में दर्ज कार्य और मौके पर मौजूद निर्माण का मिलान कराना जरूरी है। नियम अनुसार किसी भी निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति जानने के लिए केवल भुगतान रिकार्ड पर्याप्त नहीं है। तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश, माप पुस्तिका, स्थल निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और पूर्णता प्रमाण पत्र का मिलान भी आवश्यक है। पंचायत में कई कार्य लंबे समय से प्रगतिरत बताए जा रहे हैं। सवाल यह है कि यदि कार्य वर्षों से प्रगतिरत है, तो उनके लिए जारी राशि, अब तक किए गए कार्य और शेष कार्य की वास्तविक स्थिति क्या है?।

2.27 लाख की निकासी पर गंभीर सवाल

ग्राम पंचायत में 2 लाख 27 हजार रुपये की निकासी को लेकर गंभीर वित्तीय अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि तत्कालीन सचिव के रहते सरपंच ने पूर्व सचिव के साथ कथित सांठगांठ कर राशि निकाली। मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद प्रकरण पर कार्रवाई नहीं होने और मामले को दबाने के आरोप सामने आए। अब बैंक रिकॉर्ड, भुगतान वाउचर और पंचायत के दस्तावेजों की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग उठ रही है।

8 इंच की स्वीकृति बनाई 4 इंच की दीवार

ग्राम सिलावटी के श्मशान घाट की बाउंड्रीवॉल निर्माण को लेकर सबसे गंभीर सवाल सामने आ रहा है। जानकारी के अनुसार स्वीकृत कार्य में बाउंड्रीवॉल की मोटाई 8 इंच निर्धारित थी। जबकि मौके पर कथित रूप से 4 इंच की बाउंड्रीवॉल बनाई गई। स्वीकृत मापदंड और वास्तविक निर्माण में अंतर है और यह तकनीकी जांच का गंभीर विषय है। बताया जा रहा है कि गुणवत्ता को लेकर आपत्ति के चलते उपयंत्री द्वारा बाउंड्रीवॉल के मूल्यांकन को लेकर भी आपत्ति जताई थी और कार्य गुणवत्ताहीन होने से मूल्यांकन करने से मना कर दिया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में सरपंच का कहना है कि मुझे कुछ मामलों में मूल्यांकन की आवश्यकता नहीं है। मैंने कार्य करवा दिया होने की बात तक कही गई।

अनियमितता उजागर की तो सचिव का करवा दिया तबादला

मामले में यह बात भी सामने आ रही है कि तत्कालीन सचिव द्वारा पंचायत में कथित अनियमितताओं को लेकर अधिकारियों को जानकारी दी गई थी। इसके बाद सरपंच ने सत्ताधारी पार्टी के पद का दुरुपयोग कर सचिव का तबादला करवा दिया गया। बताया जा रहा है कि यह तबादला अपेक्षाकृत कम समय में हुआ। सरपंच के किए कार्यों की पोल ना खुल जाए इसको लेकर सचिव को राजनीतिक दबाव बनाकर हटवाया गया। ऐसे में पंचायत में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक संरक्षण की चर्चा भी सामने आ रही है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि राजनीतिक प्रभाव के चलते सवाल उठाने वालों पर दबाव बनाया जाता है और सत्ताधारी पार्टी के नेताओं से दबाव बनाकर शिकायत और जांच को रुकवा दिया जाता है। फिलहाल पूरा मामला सवालों के घेरे में है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इन आरोपों और सामने आ रही अनियमितताओं की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कराता है या राजनीतिक दबाव में मामला फाइलों में ही दबा रह जाता है?। इस संबंध में जिपं सीईओ से चर्चा करने का प्रयास किया, किंतु उनका भोपाल तबादला होने के चलते उनसे संपर्क नहीं हो सका।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : मुख्यमंत्री

अंडरपास में स्कूल वैन फंसने के मामले में मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

देवास। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में रेलवे अंडरपास में जलभराव के दौरान बैरिकेड हटाकर स्कूल वैन निकालने और विद्यार्थियों की जान जोखिम में डालने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापरवाह मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही स्कूल संचालक के विरुद्ध भी वैधानिक प्रकरण दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सिविल लाइन रेलवे अंडर पास में भारी भारी वर्षा के कारण जलभराव होने पर स्टॉपर लगाकर आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। इसके बावजूद सिटी कान्वेंट स्कूल के मैजिक वाहन ने स्टॉपर हटाकर वाहन को पानी में उतार दिया। पानी में वैन बंद होने पर चालक बच्चों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों, डायल-112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी के सहारे सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

नगर भ्रमण पर निकले बाबा भंवरनाथ महाराज

भौंरासा। सावन मास के पावन अवसर पर सोमवार को जय बाबा भंवरनाथ कावड़ यात्रा के तत्वावधान में बाबा भंवरनाथ महाराज की भव्य शाही सवारी निकाली गई। आकर्षक श्रृंगार और गुलाब, मोगरा व गेंदे के फूलों से सजी पालकी में बाबा नगर भ्रमण पर निकले। पालकी को युवाओं ने उठाया। इस दौरान पूरे नगर में बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। सवारी शाम 5 बजे बाबा भंवरनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर टंकी चौराहा, माली मोहल्ला, गोपेश्वर चौक, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बड़े हनुमान चौक, त्रिमूर्ति चौक होते हुए छोटे हनुमान चौक पहुंची। सवारी के आगे जय बाबा भंवरनाथ कावड़ यात्रा के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं के माथे पर चंदन लगाया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर सवारी का स्वागत किया। गोपेश्वर चौक पर श्रद्धालुओं को भांग का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं छोटे हनुमान चौक पर समिति एवं प्रेस क्लब सदस्यों ने बाबा की सवारी का पुष्पवर्षा एवं पुष्पमाला से स्वागत कर पूजा-अर्चना व आरती की। श्रद्धालुओं को केले का प्रसाद भी वितरित किया गया। इसके बाद सवारी बाबा भंवरनाथ मंदिर पहुंची, जहां आरती एवं पूजन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन में बड़ी संख्या में नगरवासी एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

नवनियुक्त महामंत्री का पूर्व नप अध्यक्ष ने किया स्वागत

सोनकच्छ। गत दिवस भाजयुमो के नवनियुक्त जिला महामंत्री मोहित जाट पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अनिता चौधरी के कबीर मार्ग स्थित निवास पर पहुंचे, जहां श्रीमती चौधरी के साथ भाजपा पिछड़ा मोर्चा मंडल के पूर्व अध्यक्ष जयपाल चौधरी, प्रतीक चौधरी, राजेंद्र चौधरी आदि ने उनका स्वागत कर मुंह मीठा कराया व जिला महामंत्री नियुक्त होने पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि मोहित जाट के श्रीमती चौधरी से पारिवारिक संबंध होने से वे आशीर्वाद लेने उनके निवास पर पहुंचे थे।

शासकीय नाली तोड़ने का आरोप, थाने में शिकायत

सोनकच्छ। नगर के वार्ड क्रमांक 7 में शासकीय नाली को जेसीबी से तोड़कर नष्ट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने पुलिस थाना प्रभारी को आवेदन देकर दो आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। आवेदन के अनुसार बुधवार को मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना योजना (चतुर्थ चरण) के तहत वार्ड 7 में नाली निर्माण कार्य कराया गया था। यह नाली पुरानी गैस एजेंसी के पीछे की आबादी क्षेत्र के पानी की निकासी के लिए बनाई गई थी। आरोप गया है कि जितेन्द्रसिंह बघेल और आनन्दसिंह बघेल ने उक्त निर्मित नाली के 130 फीट हिस्से को जेसीबी मशीन से तोड़कर पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इस कारण शासकीय कार्य में बाधा डालने और शासकीय सम्पत्ति को दुर्भावना पूर्वक नुकसान पहुंचाने के मामले में दोनों आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की जाए। आवेदन के साथ मौका पंचनामा और मौके के फोटो भी संलग्न किए गए हैं।

ग्राम धंधेडा में अखंड रामायण की समाप्ति पर पूजन कर दी विदाई

पीपलरावां। गत दिवस समीपस्थ ग्राम धंधेड़ा में खेड़ापति हनुमान मंदिर में पिछले एक माह से चल रही अखंड रामायण पाठ का गत दिवस रात्रि 8 बजे गांव के महिलाएं एवं पुरुषों की उपस्थिति में शेष दो पाठ की चौपाई का अर्थ सहित पढ़कर सुनाई। तत्पश्चात पूजा-अर्चना कर महाआरती की गई। वहीं महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजक गोपाल सिंह पाटीदार, जितेंद्र सिंह दांगी, जयप्रकाश पाटीदार, जितेंद्र वर्मा, महेंद्र सिंह पाटीदार आदि उपस्थित थे।

अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्षों एवं निर्वाचन समिति का सम्मान समारोह आयोजित

देवास। अभिभाषक संघ देवास द्वारा मंगलवार को संघ कक्ष में गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2016 से 2026 के बीच अभिभाषक संघ की लगातार पांच कार्यकारिणियों के निर्वाचन संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र बापट सहित निर्वाचन समिति के 15 सदस्यीय दल का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल मेहता ने सभी को अभिनंदन पत्र सौंपा। समारोह में अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्षों को भी उनके कार्यकाल के दौरान संघ के विकास एवं अधिवक्ताओं के हित में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डी.एस. गुप्ता, सुरेंद्र पंड्या, जे.के. वर्मा, अर्जुन सिंह राठौड़, अर्जुन सिंह रावत, मनोज हेतावल, सुधीर नागर, सुरेश चौधरी एवं अशोक वर्मा का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल मेहता द्वारा अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अभिभाषक संघ अध्यक्ष रामप्रसाद सूर्यवंशी एवं सचिव चंद्रपाल सिंह सोलंकी ने निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में बापट के योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन रघुवीर यादी ने किया।

लापता युवक का शव नदी में मिला

सोनकच्छ। मामा की बाइक लेकर अचानक लापता हुए 21 वर्षीय युवक का शव मंगलवार को कालीसिंध नदी में

तैरते मिला। जिसकी पहचान पवन पिता लाखन मालवीय उम्र 21 वर्ष निवासी दुदलई के रूप में हुई, जो केपी कालेज देवास में पढ़ता था। जानकारी के अनुसार पवन की मानसिक स्थिति पिछले 8 माह से खराब थी जिसका इलाज चल रहा था। मामले में बड़े भाई पंकज ने सोमवार को गुमशुदगी दर्ज कराई थी कि पवन शाम को मामा व मौसा के गंधर्वपुरी फाटे आया था, जहां मामा एक दुकान पर रुके तो पवन उनकी बाइक लेकर फरार हो गया था। बुधवार को राहगीरों ने फोरलेन की नई पुलिया के पास नदी में तैरता हुआ शव देखा, सूचना पर पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल पहुंचाया। बाइक पुलिया के पास खड़ी मिली, जिसकी चाबी मृतक के पास से मिली है। बताया जाता है कि मृतक पूर्व में भी एक बार फांसी लगाने का प्रयास कर चुका था। घटना को पुलिस ने जांच में लिया।

ब्रह्म बंधुत्व संस्था का श्रावणी उपाकर्म 28 को

देवास। विप्र समाज देवास की अग्रणी संस्था ब्रह्म बंधुत्व बीएनपी देवास द्वारा श्रावणी उपाकर्म का आयोजन 28 अगस्त को मानस भवन शिव मंदिर राधागंज देवास पर किया जा रहा है। प्रात 7.30 बजे से प्रारंभ होने वाले इस उपाकर्म में विद्वान आचार्य द्वारा विभिन्न चरणों में पूर्ण शास्त्रोक्त विधि विधान से शरीर शुद्धिकरण कर नवीन यज्ञोपवीत धारण कराया जाएगा।

हर्षोल्लास से मनाया ईद मिलादुन्नबी पर्व, निकला जुलूस

सोनकच्छ। बुधवार को मुस्लिम समाज द्वारा ईद मिलादुन्नबी का पर्व धूमधाम से मनाया। सीरत कमेटी द्वारा हाजियों, मुस्लिम पंचायतों के सदर एवं नगर परिषद के पार्षदों का स्वागत कर तवड़े से एक भव्य जुलूस निकाला। जो नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ कालीसिंध नदी किनारे स्थित हजरत गरीब शाहदाता रहमतउल्ला अलैह गंजपुरा शरीफ पहुंचा। जहां स्थित दरगाह पर चादर चढ़ाकर फातिहा पढ़कर अमन चैन की दुआ मांगी। जुलूस में इस्लामी झांकी, कमेटी सदर शाकिर शाह सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल थे। डीजे, ढोल और बैंड-बाजे की धुन पर युवा, इस्लामी झंडे लहराते हुए मोहम्मद पैगंबर की शान में नारेबाजी कर रहे थे। रास्ते में जुलूस का जगह-जगह स्वागत हुआ। पूर्व पार्षद हाजी मो. आरिफ खान एवं पठान परिवार द्वारा शहर काजी, कमेटी के सदर, मस्जिदों के सदर और पेशइमामो आदि का स्वागत किया। कांग्रेस पार्टी के मंच से जनपद पंचायत अध्यक्ष सूरजसिंह ठाकुर, ओमप्रकाश परमार, अरबाज पठान, भुरु शेख, मो. आरिफ खान पठान, योगेश यादव ने स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग के थाना प्रभारी विक्रांत झांझोट सहित विशेष पुलिस बल जुलूस के साथ रहा।

विद्यार्थियों के बस किराए में छूट की मांग

महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

खातेगांव। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय खातेगांव की शैक्षणिक एवं मूलभूत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम खातेगांव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पर्याप्त खेल सामग्री एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने, एमए के सभी विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित करने, कृषि एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने, लाइब्रेरी नियमित खोलने और पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग की गई। ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए शासकीय छात्रावास की व्यवस्था की मांग भी रखी गई। अभाविप ने निजी बस संचालकों द्वारा विद्यार्थियों को बस में बैठाने से इनकार करने और अधिक किराया वसूलने की शिकायतों का हवाला देते हुए विद्यार्थियों के बस किराए में 100 प्रतिशत छूट देने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर कार्रवाई की मांग की। नगर मंत्री हिमांशु शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का 15 दिनों में निराकरण नहीं हुआ तो परिषद लोकतांत्रिक एवं चरणबद्ध आंदोलन करेगी। ज्ञापन के दौरान अभाविप कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा 1 सितंबर से

देवास। विकास नगर स्थित श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में 1 से 7 सितंबर 2026 तक श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के प्रथम दिन 1 सितंबर को श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर विकास नगर से प्रातः 11 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा व्यास पं. शुभम जोशी प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4.30 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे।